an>

Title: Regarding reported statement made by a Retd. Judge denigrating Mahatma Gandhi and Subhash Chandra Bose.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : अध्यक्ष महोदया, मैंने आपसे एक बहुत ही गम्भीर मुद्दे पर चर्चा के लिए आग्रह किया था। कल राज्य सभा में भी इस पर निंदा प्रस्ताव आया था। महात्मा गांधी और सुभाष चंद्र बोस को दुनिया भर में लोग अपना आइडियल मानते हैं, एब्राहम लिंकन से लेकर नेल्सन मंडेला और हमारे मुल्क के लोग चाहे नौजवान हों या अन्य हों, महात्मा गांधी को श्रद्धा के रूप में देखा जाता है। जिस तरीके काटजू द्वारा जो बयान आया है और उन्होंने महात्मा गांधी और सुभाष चंद्र बोस के बारे में टिप्पणी की गई है, वह हिन्दुस्तान की मर्यादा के खिलाफ है। हिन्दुस्तान और दुनिया इससे आहत हुई है। मैं चाहता हूं कि इस व्यक्ति द्वारा महात्मा गांधी और सुभाष चंद्र बोस के बारे में इस तरह की टिप्पणी की गई है, उसके खिलाफ इस सदन में निंदा प्रस्ताव पारित करना चाहिए। जिससे पूरे देश में यह संदेश जाए कि हम इस तरह की टिप्पणियों की भर्त्सना करते हैं। काटजू जैसे व्यक्ति देश की सर्वोच्च कुर्सी पर न बैठ सकें, इसके लिए सरकार को गम्भीर होना चाहिए कि ऐसा व्यक्ति उच्च कुर्सी पर न बैठे, क्योंकि वह कभी भी कोई गलत निर्णय ले सकता है। इसलिए मैं चाहता हूं कि महात्मा गांधी और सुभाष चंद्र बोस के बारे में जो टिप्पणी की गई है, उस पर निंदा प्रस्ताव सदन में लाया जाए और पूरा सदन एकमत से उसे पारित करे।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री पी.के. बिजू, श्री एम.बी. राजेश, श्रीमती पी.के. श्रीमथि टीचर और डॉ.ए. सम्पत को श्री राजेश रंजन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT AND ENTREPRENEURSHIP AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI RAJIV PRATAP RUDY): Madam, the point which has been raised by Rajesh Ranjan ji is of course a valid point. Such a statement made by an individual was taken up in the other House is condemnable. ...(*Interruptions*) We accept the feelings of this House. Such a remark is a derogatory and we do not accept it and we appreciate the sentiments of the Member and the House would appreciate this point that no one has the freedom to make such statements. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: इन्होंने बता दिया है इसलिए सबको इस पर बोलने की जरूरत नहीं है। आप बैठ जाएं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: ठीक है, प्रस्ताव ले आएंगे। सब मिलकर उसे बना लेंगे।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : मैडम, मैं भी इस विषय पर कुछ कहना चाहता हूं। मैं काफी देर से हाथ खड़ा कर रहा था आपकी अनुमति के लिए, लेकिन आपने मेरी तरफ देखा ही नहीं।

माननीय अध्यक्ष: मैं सबकी तरफ देख रही हूं, लेकिन जब पूरा सदन सहमत है तो हम एक प्रस्ताव बना लेंगे।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैं यही कहना चाहता हूं कि इसके लिए कन्डेम करके एक रिजोल्यूशन लाने में क्या दिक्कत है? आप इसकी निंदा करके एक प्रस्ताव आप यहां मूव कीजिए, हम सब उसका सपोर्ट करेंगे।

माननीय अध्यक्ष: मैं मना नहीं कर रही हूं, मैंने पहले ही कहा है कि प्रस्ताव लाएंगे।

SHRI RAJIV PRATAP RUDY: Sir, we have already said that. We will request the Speaker Madam to take call on it. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: चार लाइन लिखकर यहां पेश कर देंगे। यह मैंने कह दिया है, इस बारे में मना नहीं किया है। लेकिन पहले प्रस्ताव बना लेते हैं।

श्री भर्तृहरि मेहताब (कटक) : यह तो ठीक है, लेकिन जो रिजोल्यूशन बनाया जाए, उसमें महात्मा गांधी और सुभाष चंद्र बोस, दोनों के लिए होना चाहिए, क्योंकि उन्होंने दोनों के खिलाफ टिप्पणी की है।

SHRI KALYAN BANERJEE (SREERAMPUR): Madam, I will not take more than one minute. I will appeal to the hon. Home Minister who is here that it amounts to a hate statement. Therefore, from the Delhi itself, a criminal case should be started against retired Justice Katju for his speech. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: मैं सबकी भावना समझ रही हूं। हम सब मिलकर एक प्रस्ताव बना लेंगे और चेयर की तरफ से सदन में रख देंगे। आपकी बात भी मैं समझ गई हूं।

DR. P. VENUGOPAL (TIRUVALLUR): Madam Speaker, on behalf of our Party, AIADMK, I thank you very much for having allowed me to condemn the remark made by the Chairman of the Press Council of India, Justice Markandey Katju.

Madam, Justice Katju, in one of his blogs yesterday made a remark saying that the Father of our Nation, Mahatma Gandhi is a British agent and he did a great harm to India by injecting religion into politics. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Do not repeat the same.

...(*Interruptions*)

DR. P. VENUGOPAL : He elaborated his statement by saying that 'by constantly injecting religion into politics continuously for several decades, Gandhi furthered the British policy of divide and rule'.

The remarks made by Justice Katju are highly objectionable and we condemn the remarks.

माननीय अध्यक्ष: सब नहीं बोलेंगे, हम प्रस्ताव ला रहे हैं इसलिए सबको बोलने की जरूरत नहीं है।

...(व्यवधान)

SHRI K.C. VENUGOPAL (ALAPPUZHA): Madam, I have given notice.

HON. SPEAKER: First, you go to your seat.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: No, I will not allow. Every now and then, you stand up. Kharge Ji has spoken on this.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: No, I am sorry.

12.21 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377*

HON. SPEAKER: Matters under Rule 377 shall be laid on the Table of the House. Members may personally hand over text at the Table of the House as per the practice.